मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

# MVS–014

## वास्तुशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

## (पी.जी.डी.वी.एस.)

## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर, 2025

## एम.वी.एस.-014 : प्रासाद, ग्राम एवं नगर वास्तु

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

---

***नोट :*** *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है।*

*(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

*(iii) खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

### खण्ड—क

***निर्देश :*** *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।* 3×20=60

1. मन्दिर निर्माण के आधारभूत सिद्धान्तों पर विस्तृत चर्चा प्रस्तुत कीजिए।



Downloaded from www.IGNOUBABA.com

2. राजप्रासाद के विभिन्न अंगों के लक्षणादि विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
3. ग्राम के भेदों को स्पष्ट करते हुए उसकी वास्तुयोजना पर सुविस्तृत प्रकाश डालिए।
4. जलाशयारामसुरप्रतिष्ठा के लिए किन-किन बातों पर विचार किया जाता है? विस्तार से वर्णन कीजिए।
5. वास्तुशास्त्र में पर्यावरण किस प्रकार महत्त्वपूर्ण है? विस्तृत आलेख लिखिए।
6. भुवनकोश का परिचय देते हुए इसके अध्ययन के महत्त्व को रेखांकित कीजिए।

## खण्ड—ख

**निर्देश :** निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। $4 \times 10 = 40$

7. नागर शैली एवं द्राविड़ शैली की विशेषताओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
8. मन्दिर निर्माण हेतु प्रशस्त भूमि पर वास्तुशास्त्र की दृष्टि से संक्षेप में आलेख लिखिए।
9. दुर्ग निर्माण के महत्त्व को प्रकाशित करते हुए दुर्ग निर्माण के भेदों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
10. राजगृह सज्जा पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।



Downloaded from www.IGNOUBABA.com

11. वास्तुशास्त्र के अनुसार नगर में वसति विन्यास किस प्रकार किया जाना चाहिए? संक्षेप में वर्णन करते हुए नगर के प्रमुख भेदों का परिचय दीजिए।

12. जलशोधन विधि क्या है? कूप-तडागादि निर्माण मुहूर्तों पर भी प्रकाश डालिए।

13. स्वास्थ्य के परिप्रेक्ष्य में वास्तु के महत्त्व को विस्तार से वर्णित कीजिए।

14. आधुनिक काल में वास्तुशास्त्र की प्रमुख चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा कीजिए।

× × × × ×



Downloaded from www.IGNOUBABA.com